कोंकण रेल की निगम सामाजिक दायित्व कार्य
2020-21

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान कोंकण रेल द्वारा कार्यान्वित की गई सीएसआर गतिविधियां

कोंकण रेल ने वर्ष 2020-21 के दौरान सीएसआर पर डीपीई दिशा-निर्देशों के अनुरूप विभिन्न सीएसआर गतिविधियां कार्यान्वित की हैं। इसके अलावा महत्वाकांक्षी जिले के विकास पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान कार्यान्वित की गई सीएसआर गतिविधियों का विवरण निम्नानुसार है:-

1. उडुपि में रामकृष्ण हेगड़े कौशल विकास केंद्र (आरएचएसडीसी) का निर्माण और विकास:

लैंगिक समानता, महिलाओं को सशक्त बनाने और शिक्षा को बढ़ावा देने से संबंधित गतिविधियों के तहत, केआरसीएल, कर्नाटक के उडुपि में रामकृष्ण हेगड़े कौशल विकास केंद्र (आरएचएसडीसी) के निर्माण और विकास को बढ़ावा दे रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है। आरएचएसडीसी भवन का निर्माण कार्य पूरा किया गया है और एक योग्य बुनियादी संरचना तैयार की जा रही है। इसी बीच कोंकण रेल अकादमी में इसके लिए गतिविधियां शुरू की गई हैं। रोजगार योग्य उम्र के युवाओं को उनकी नौकरी की संभावना बढ़ाने के लिए सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम, जो 2016 से चलाया जा रहा है, उसमें उनके व्यक्तित्व में सुधार, कॉर्पोरेट सेट अप में आवश्यक कौशल, स्व-प्रस्तुति तकनीकों, और नौकरी के अवसरों के लिए उपलब्ध विभिन्न क्षेत्रों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम जिसमें न्यूरो लीडरशिप, कैंपस से कॉर्पोरेट, सोशल मीडिया के माध्यम से नौकरी की संभावनाएं, साक्षात्कार तकनीक, कार्यालय शिष्टाचार और सीवी लिखने की कला शामिल हैं, ये प्रशिक्षण 790 उम्मीदवारों को प्रदान किया गया, जिनमें 578 (73%) महिलाएं थीं। कुल 1580 कार्य दिवस किए गए। कुल लागत - ₹ 28.81 लाख है।

2. जम्मू-कश्मीर राज्य के रियासी जिले में विकास कार्य: केआरसीएल द्वारा सीएसआर गतिविधियों के तहत रियासी जिले में निम्नलिखित विकास कार्य कार्यान्वित किए जा रहे हैं: -

<u>शिक्षा क्षेत्र</u> - शिक्षा को बढ़ावा देने से संबंधित गतिविधियों के तहत पंथल, धर्मारी और ममनकोट में 03 उच्च माध्यमिक विद्यालयों की मरम्मत, यूएसबीआरएल परियोजना के पास, रियासी, जम्मू-कश्मीर में की गई है। कुल लागत - ₹ 23.5 लाख।
लाभ: नामांकन में वृद्धि, छात्रों को बारिश से बचाया जाएगा, कंप्यूटर लैब, फर्नीचर आदि की सुरक्षा की जाएगी।

<u>बागवानी क्षेत्र</u> - बागवानी क्षेत्र के तहत यूएसबीआरएल परियोजना, रियासी, जम्मू-कश्मीर के पास हुंदर और कलयुगबाग में फल/पौधे की नर्सरी का विकास किया गया है। प्रस्तावित कार्यों में फेंसिंग, जल संचयन, वर्किंग शेड, हार्डनिंग चेंबर, फुटपाथ आदि शामिल हैं। कुल लागत - ₹ 20 लाख।
लाभ: अतिक्रमण और मानव/पशु हस्तक्षेप को रोका जाएगा। नर्सरी में जल संचयन, सिंचाई चैनलों के साथ-साथ नर्सरी की सिंचाई के लिए भंडारण संरचना से नर्सरी बेड तक पानी ले जाने के लिए

पानी की आवश्यकता सुनिश्चित की जाएगी। वर्किंग शेड प्रतिकूल पानी की स्थिति के दौरान सामान्य नर्सरी संचालन की सुविधा प्रदान करेगी और हार्डिंग चेंबर किसानों द्वारा आगे बिक्री/वृक्षारोपण के लिए प्लांट मटेरियल को सख्त करने के लिए जगह प्रदान करेगा।

कृषि क्षेत्र - कृषि क्षेत्र के तहत यूएसबीआरएल परियोजना, रियासी, जम्मू-कश्मीर के पास 01 लेमन ग्रास यूनिट सिराह का विकास कार्य शुरू किया गया है। यह प्रस्तावित कार्य कृषि अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए है- लेमन ग्रास ऑयल को यदि स्थानीय रूप से संसाधित किया जाए तो किसानों के लाभ मार्जिन में वृद्धि होगी। इससे बंदर के उत्पात से लड़ने में मदद होगी, जिससे भारी नुकसान होता है।

लाभ: स्थानीय रोजगार और आधुनिक कृषि में एक सफल व्यवसाय मॉडल के रूप में उभरने की क्षमता है। भूमि उपयोग और महिला एसएचजी को आत्मनिर्भर बनने के लिए लाभप्रद है। कुल लागत - ₹ 10 लाख ।

मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (एमएचएम) - स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित गतिविधियों के तहत, यूएमईईडी, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) के साथ अभिसरण में नैपकिन निर्माण इकाई यूएसबीआरएल परियोजना, रियासी, जम्मू-कश्मीर के पास स्थापित की गई है। यह पहल किशोरियों/छात्रों/महिलाओं में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (एमएचएम) के बारे में जागरूकता लाने में मदद करेगी। कुल लागत - ₹ 10.00 लाख।

लाभ: जिले में 80% गरीबी के कारण महिलाएं बीमारी से पीड़ित हैं। बीमारी का कारण अस्वास्थ्यकर मासिक धर्म स्वच्छता है। एमएचएम महिलाओं को सब्सिडी वाले सैनिटरी नैपकिन प्राप्त करने में मदद होगी और पहले से स्थापित वेंडिंग मशीनों पर इसका बहुत प्रभाव पड़ेगा।

3. आकांक्षात्मक जिले में सीएसआर गतिविधियां:

वर्ष 2020-21 के लिए सीपीएसई द्वारा सीएसआर गतिविधियां कार्यान्वित करने के लिए डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार, 'स्वास्थ्य और पोषण" विषय रखा गया था। निवारक स्वास्थ्य देखभाल सहित स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने से संबंधित गतिविधियों के तहत, कर्नाटक राज्य के यादगीर जिले में अल्ट्रासाउंड और प्रयोगशाला की सुविधा के साथ एक मोबाइल डायग्नोस्टिक यूनिट (एमडीयू) की खरीद की जा रही है। यादगीर एक ऐसा आकांक्षात्मक जिला है जिसमें बहुत से आदिवासी बस्तियां हैं, जहां पहुंचना मुश्किल है और बाढ़ प्रभावित क्षेत्र हैं। इससे नियमित एएनसी सेवाएं बाधित होती हैं। एमडीयू से लेबर रूम और मैटरनिटी ओटी में गुणवत्ता में सुधार, इंट्रा-पार्टम और तत्काल पोस्ट-पार्टम अवधि के दौरान माताओं और नवजात शिशु की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद होगी। इससे जिले के आंतरिक गांवों में रहने वाली उन सभी महिलाओं तक पहुंचने में भी मदद होगी, जिन्हें प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल की आवश्यकता है, जिससे मातृ मृत्यु को रोका जा सके और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल प्रदान की जा सके। इस अनुकूलित मोबाइल चिकित्सा वाहन को प्राप्त करने का कार्य प्रगति पर है। एमडीयू की खरीद के लिए क्रय आदेश जारी किया गया है। कुल लागत - ₹ 65.00 लाख ।

4. कंप्यूटर साक्षरता और स्वच्छता कार्यक्रम:

शिक्षा को बढ़ावा देने, स्कूली बच्चों को कंप्यूटर साक्षरता प्रशिक्षण और विशेष रूप से सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता के लिए जागरूकता लाने संबंधी गतिविधियों के तहत कोंकण रेलवे मार्ग पर रत्नागिरी और कारवार क्षेत्र के गांवों में जहां, कम्प्यूटर पर प्रशिक्षण देने के लिए कम्प्यूटर की सुविधा एवं प्रशिक्षित शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें केआरसीएल के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग द्वारा नियमित रूप से प्रदान किया जा रहा है। वर्ष 2020-21 के लिए मूल कंप्यूटर साक्षरता

कार्यक्रम सीएसआर गतिविधियों का भाग था, परंतु देशव्यापी तालाबंदी के कारण कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जा सके। इस पहल का उद्देश्य कंप्यूटर साक्षरता के साथ-साथ स्वच्छता और सफाई पर जागरूकता लाना है। पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं की कमी के साथ-साथ अस्वच्छता में रहने से रोग और बीमारियाँ हो सकती हैं, जिनसे बचा जा सकता है। सीएसआर गतिविधि के तहत केआरसीएल कोंकण क्षेत्र के स्कूलों में बच्चों को व्यक्तिगत और साथ ही गाड़ियों और रेल परिसर सहित सार्वजनिक क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में शिक्षित करता है। इस कार्यक्रम को कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम के साथ एकीकृत करने की योजना बनाई गई है, ताकि दूरदराज के गांवों के बच्चे ही लाभार्थी होंगे। कुल लागत - ₹ 07.11 लाख।

5. श्रीमती राधाबाई जागुस्टे हाई स्कूल कुवारबांव, रत्नागिरी के लिए **एक आरओ वाटर फिल्टर की खरीद** की गई। कुल लागत - ₹ 01.00 लाख।

6. **रावणफोंड, मडगांव गोवा के पास शौचालय का रख-रखाव –** साफ-सफाई और स्वच्छता को बढ़ावा देने से संबंधित गतिविधियों के तहत रावणफोंड, मडगांव के पास शौचालय का रख-रखाव करने के लिए ठेके पर दिया गया है और इसकी केआरसीएल द्वारा नियमित रूप से निगरानी की जाती है। कुल लागत - ₹ 03.31 लाख।

******